

ह्यूस्टन □ दुनिया में लाखों-करोड़ों मोबाइल फोन जासूसी क आसानी से नशाना बन सकते हैं क्योंकि 1970 के दशक की तकनीक के जरूरी इनक इस्तेमाल होता है □ कन □ शोध में यह दावा किया गया है □

अमेरिका में होने जा रहे 'ब्लैक हैट' सुरक्षा सम्मेलन में इस शोध को प्रस्तुत किया जागा □ इसमें कहा गया गया है कि पुरानी क्स्विटोग्राफी तकनीक के इस्तेमाल के कारण बड़ी संख्या में मोबाइल फोन की सुरक्षा के खतरा है □

क्स्विटोग्राफी के जरूरी मोबाइल नेटवर्क पर बातचीत संभव होती है □

'सेक्योरिटी रिसर्च लैब्स' के साथ जुड़े विशेषज्ञ क्स्विटोग्राफर क्स्टन नोल ने पाया कि किस तरह से मोबाइल फोन के स्थान, □ स□ म□ स तक पहुंच तथा व्यक्ति के वायसमेल नंबर में बदलाव संभव है □

नोल 'रूटिंग समि कर्ड' नाम से □ क प्रस्तुत 31 जुलाई को लास वेगास में आयोजित ब्लैक हैट सुरक्षा सम्मेलन में देंगे □

दुनिया भर में इस वक्त सात अरब से अधिक समि कर्ड क इस्तेमाल किया जा रहा है □ बातचीत के समय समि कर्ड □ नक्स्पिसन क इस्तेमाल करते हैं □ नोल के शोध में पाया गया है कि समि □ नक्स्पिसन मानक 1970 के दशक है जिन्हें डाटा □ नक्स्पिसन स्टैंडर्ड :डीई□ स: कहा जाता है □ शोध क संक्षिप्त रूप उनकी कंपनी के ब्लॉग पर प्रकाशित किया गया है □

डीई□ स के □ नक्स्पिसन क सबसे कमजोर रूप माना जाता रहा है और कई मोबाइल आपरेटर अब उन्नत □ नक्स्पिसन क इस्तेमाल कर रहे हैं □

डीईसी के इस्तेमाल होने वाले मोबाइल फोन पर भेद लगाना आसान है □ ब्लैक हैट सुरक्षा सम्मेलन 2013 क मकसद भविय में आईटी क्षेत्र में सुरक्षा के लेकर गहन मंथन करना है □ इसमें दुनिया भर के जानकर लोग शामिल होंगे □

भाषा